मेरठ, हापुड़ तहसील क्षेत्र में एक्सप्रेसवे का कार्य लगभग पूरा, नाममात्र का काम ही बचा

गंगा एक्सप्रेसवे का ट्रायल इसी माह, नए साल से पहले होगा शुरू

94 प्रतिशत काम पूर्ण हो चुका है मेरठ से प्रयागराज तक

25 नवंबर तक कार्य पूर्ण करने का अल्टीमेटम दिया गया

मेरठ से प्रयागराज के बीच केवल तीसरे सेक्शन में ही नाममात्र का काम बचा हुआ है।

मेरठ/हापुड़, हिन्दुस्तान टीम। मेरठ-प्रयागराज गंगा एक्सप्रेसवे पर फर्राटा भरने को तैयार हो जाएं। संभावना है नए साल से पहले गंगा एक्सप्रेसवे चालू हो जाए। निर्माण कार्य लगभग समाप्ति पर है। मेरठ से प्रयागराज के बीच केवल तीसरे सेक्शन में ही नाममात्र का काम बचा हुआ है। मेरठ से बदायूं तक का पहला चरण तैयार हो चुका है। संभावना जताई जा रही है इस माह के अंत में या दिसंबर के पहले सप्ताह में ट्रायल हो जाएगा। इसके बाद कभी भी उद्घाटन हो सकता है।

यूपीडा की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार मेरठ से प्रयागराज तक ओवरऑल 94 प्रतिशत काम पूर्ण हो चुका है। छह प्रतिशत कार्य को फाइनल टच दिया जा रहा है। मेरठ से प्रयागराज के बीच 594 किलोमीटर में कुल 1498 बड़े स्ट्रक्चर के बीच गंगा एक्सप्रेसवे है, जिसमें 1497 का निर्माण पूर्ण हो चुका है। अब मेरठ से प्रयागराज के बीच मेरठ, हापुड़ आदि जिलों में भी निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। उसे फाइनल टच दिया जा रहा है। मेरठ से बदायूं तक पहले सेक्शन में 129 किलोमीटर में अब निर्माण कार्य समाप्ति पर है। दूसरे सेक्शन में काम लगभग समाप्ति पर है, लेकिन तीसरे तीसरे सेक्शन में उन्नाव, हरदोई के पास अभी निर्माणाधीन है। हालांकि शासन की ओर से 25 नवंबर तक सभी निर्माण कार्य पूर्ण करने का अल्टीमेटम दिया गया है, ताकि नवंबर के अंत में ट्रायल हो सके।

छह से सात घंटे में होगा सफर: मेरठ से प्रयागराज के बीच गंगा एक्सप्रेसवे से सफर करीब छह से सात घंटे का होगा। अधिकतम 100-120 किलोमीटर की स्पीड निर्धारित करने की कार्रवाई चल रही है। इस हिसाब से ही छह से सात घंटे का सफर माना जा रहा है।

हापुड़ रोड में बिजौली से कनेक्ट होगा अपना मेरठ

मेरठ गंगा एक्सप्रेसवे में हापुड़ रोड में बिजौली से कनेक्ट होगा। मेरठ से बदायूं तक कुल 129.700 किलोमीटर का यह सेक्शन कुल 322 बड़े स्ट्रक्चर से कनेक्ट किया गया है, जिसमें मेरठ जिले में गंगा एक्सप्रेसवे मात्र 14.950 किलोमीटर है। वहीं हापुड़ में 33.300 किमी, अमरोहा में 26.150 किमी, बुलंदशहर में 10.500 किमी, संभल जिले में 38.780 किमी और बदायूं जिले में 6.020 किमी ही है। यह सेक्शन पर निर्माण कार्य समाप्ति पर है। केवल फाइनल टच दिया जा रहा है। दावा है कि अगले कुछ दिनों में यह सेक्शन बिल्कुल फर्राटा भरने के लिए ओके कर दिया जाएगा।